Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

छह साल पूर्व लगे सीसीटीवी कैमरों में आधे से ज्यादा है खराब

जिम्मेदार कौन

सुरक्षा को लेकर किये गये इंतजाम वर्तमान में हो रहे फेल

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट।

पिथौरागढ़। सीमांत जनपद पिथौरागढ में छह साल पूर्व लगाये गये सीसीटीवी कैमरों में आधे से अधिक कैमरे खराब पड़े हुए है। बता दें कि सीमांत जनपद में चार दर्जन कैमरे लगे हुए है। इनमें से कई वर्तमान में खराब स्थिति में है। खराब पड़े सीसीटीवी कैमरों के मामले जिला प्रशासन की विभागीय बैठकों में उठ चुके है।

जिले के जिलाधिकरी द्वारा संबधित महकमें को सीसीटीवी कैमरों की दशा सुधारे जाने को लेकर आदेश दिये जाने के बावजूद भी यहां अब तक सीसीटीवी कैमरों की हालत नही सुधर पाई है। ऐसी हालत में सुरक्षा संबधी मामलों में असमाजिक घटनाओं की जिले में होने वाली वारदातों पर तीसरी आंख नजर कैसे रख पायेगी यह सवाल आम जन मानस बरकरार रखे हुए है। सीमांत जनपद पिथौरागढ़ की सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाये गये। कैमरे लगाये जाने को लेकर राज्य वित आयेग से स्वीकृति दी गई। सीमांत जनपद में रहने वाले नागरिकों की सुरक्षा को लेकर किये गये इंतजाम वर्तमान में फेल साबित हो रहे है। सीमांत जनपद में पहले चरण में सीसीटीवी कैमरे लगाने का प्रयास किया गया। लेकिन ये कवायद जनपद में रंग नही ला पाई है। आलम यह है कि सीमांत जनपद की आबादी वर्तमान में खासा जोरों पर चल रही है। पांच लाख आबादी वाले सीमांत जनपद में रहने वाले नागरिकों की सुरक्षा व्यवस्था में कोई दिक्कत न हो इसके मददेनजर सीसीटीवी कैमरे लगाने काम जोर सोर से किया गया। वही ये कैमरे छह साल बीत जाने के बाद अब तलक ठीक नही हो सके। जिले में सीसीटीवी कैमरे लगाये जाने की मांग जिले के सामाजिक संगठन व सीनीयिर सीटीजन लंबे समय से करते आरहे थे। वही लंबे जद्दोजहद व जन आदोलन के बाद जिले में सीसीटीवी कैमरे लगाने की पहल की गई। लेकिन कही न कही अब ये जिले में लगे अधिकांश सीसीटीवी विगत सालों से खराब पड़े हुए है। जिले के नागरिकों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन द्वारा सीसीटीवी कैमरे को ठीक कराने को लेकर पहल कब तक कर पायेगा यह सवाल अब जोर शोर से उठने लगे है। सीमांत तहसील डीडीहाट में तो सीसीटीवी कैमरे लंबे समय से खराब हो चुके है। वहां पर आज भी पुलिस की तीसरी आंख में मोतियाबिंद हो चुका है। स्थानीय अराजक गतिविधियों पर क्षेत्रीय पुलिस प्रशासन के दावे नकारा साबित हो रहे है।

इस मामले पर पुलिस अधीक्षक लोकेश्वर सिंह ने कहा है कि संबधित कोतवाली प्रभारी व संबधित महकमें को जल्द जिले के तमाम जगहों पर खराब हो चुके कैमरों को ठीक कराये जाने को लेकर निर्देश दे दिये गये है। वही उसके लिए वे खुद जिम्मा संभालने को तैयार है। जिले के नागरिकों की सुरक्षा व्यवस्था करना उनकी प्राथमिकता है। कैमरों को जल्द सुधारा जायेगा।

न्यूज डायरी

गुटबाजी ने कांग्रेस संगठन को किया कमजोर

संवाददाता अल्मोड़ा। कांग्रेस के संगठनात्मक अल्मोड़ा व रानीखेत जिले के जिला निर्वाचन अधिकारी अनिल मिश्रा व स्वामीनाथ जायसवाल ने माना की पार्टी के अंदर गुटबाजी ने संगठन को कमजोर करने का काम किया। जिस कारण उन्हें चुनाव में हार मिली। इसलिए बूथ स्तर से ही समर्पित कार्यकर्ताओं की मजबूत टीम बनाई जा रही है। सोमवार को कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए एआइसीसी सदस्य अनिल मिश्रा व स्वामीनाथन जायसवाल ने कहा कि प्रदेश से लेकर जिले तक संगठन के अंदर गुटबाजी चरम पर है। जिससे कांग्रेस का संगठन कमजोर हुआ है। जिलों में कांग्रेस के पास एक कार्यालय तक नहीं है। इसलिए फिर से संगठन को मजबूत करने के प्रयास पूरे देश में शुरू कर दिए गए हैं। जल्द ही उत्तराखंड में संगठनात्मक चुनाव कराए जाएंगे।

एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने एक डिजिटल फिल्म माँ हेल्थ मय ड्यूटी लॉन्च की

संवाददाता नैनीताल। इंटरनेशनल मदर्स डे के मौके पर भारत की अग्रणी सामान्य बीमा कंपनियों में से एक एसबीआई जनरल ने एक बहुत खास डिजिटल फिल्म माँ हेल्थ मय ड्यूटी जारी की है जिसमें एक माँ और उसके बेटे के बीच का दिल को छूने वाला रिश्ता दिखाया गया है यह डिजिटल फिल्म लोगों से थोड़ा ठहरकर अपनी माँ को उन सारे कामों के लिए उनकी प्रशंसा का आग्रह करती है जो उनकी माँ निस्वार्थ भाव से उनके लिये करती है यह फिल्म हमें बीमा के माध्यम से अपनी माँ की सेहत को सुरक्षित करने का महत्व बताती है। एसबीआई जनरल इंश्योरेंस में ब्राण्ड एवं कॉर्पोरेट संचार की प्रमुख शेफाली खालसा ने कहा हमारा डिजिटल कैम्पेन माँ हेल्थ मय ड्यूटी माताओं का यशोगान करता है।

टोयोटा समूह ने कर्नाटक सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

संवाददाता देहरादून। देश के मेक इन इंडिया विजन में योगदान करने और कार्बन उत्सर्जन में तेजी से कमी लाने के अपने प्रयास में टोयोटा समूह की कंपनियों ने 4,800 करोड़ रुपये के अपने कुल निवेश में से 4,100 करोड़ रुपये के निवेश के लिए कर्नाटक सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर दस्तखत करने की घोषणा की है। यह घोषणा लाखों ग्राहकों का दिल जीतकर भारत में 25 साल की यात्रा पूरी होने की टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की सफलता से मेल खाती है। टोयोटा समूह की कंपनियों में टोयोटा किर्लोस्कर मोटर और टोयोटा किर्लोस्कर ऑटो पार्ट्स शामिल हैं। स्थानीय विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के अलावा, नया विकास रोजगार सृजन और स्थानीय सामुदायिक विकास को गति प्रदान करेगा।

120 गांवों की बत्ती 22 घंटे रही गुल, लोग बेहाल

संवाददाता चौखुटिया। आंधी–तूफान चलने से बड़ी विद्युत लाइन में फाल्ट आ गया। इससे चौखुटिया नगर समेत करीब 120 से अधिक गांवों की बिजली गूल हो गई। रातभर लोग घुप अंधेरे में ही रहे तथा उन्हें खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। हालांकि सोमवार की सुबह साढ़े नौ बजे चौखुटिया नगर की आपूर्ति शुरू कर दी गई, लेकिन गांवों की विद्युत सप्लाई व्यवस्था करीब 22 घंटे बाद सुचारू हो सकी। इस दौरान सभी विद्युत आधारित गतिविधियां भी पूरी तरह बाधित रही।

रविवार की शाम पांच तेज हवाएं चलने से रामपुर के पास एक बड़ा पेड़ मुख्य विद्युत लाइन पर गिर गया। इससे पांच बजे से चौखुटिया नगर समेत 120 से अधिक गांवों विद्युत आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह भंग हो गई। इससे पहले भी बीच–बीच में बिजली की आंख–मिचौली चलती रही। बताया गया है कि आंधी–तूफान से सिरोली व पुनियांबगड़ गांव में भी पेड़ टूटने से विद्युत लाइन बाधित हो गई। नतीजा रातभर बिजली के दर्शन नहीं हुए। इनमें गनाई, रामपुर, नागाड़, ढौन भटकोट समेत अन्य कई इलाकों के गांव शामिल हैं। हालांकि ऊर्जा निगम की टीमें सुबह से ही लाइन ठीक करने में जुट गई। करीब 22 घंटे बाद सोमवार दोपहर बाद आपूर्ति सुचारू हो गई।

18 गांवों की पेयजल आपूर्ति भी बाधितः विद्युत आपूर्ति ठप होने से पेयजल योजनाओं की पंपिंग बाधित हो गई। पंपिंग न हो पाने से सोमवार को अनेक गांवों की पेयजल वितरण व्यवस्था भी प्रभावित रही।

सुहावने मौसम में पर्यटकों ने बढ़ा दी कौसानी की रौनक

संवाददाता बागेश्वर। प्रसिद्ध पर्यटक स्थल कौसानी पर्यटकों से गुलजार है। बड़ी संख्या में लोग कौसानी पहुंच रहे हैं। सैलानी अनासक्ति आश्रम के साथ ही रुद्रधारी और बैजनाथ मंदिर का रुख कर रहे हैं। बारिश से आसमान में छाई धुंध छंट गई है। सुबह के समय कौसानी से हिमालयी श्रृंखला के दीदार भी अब होने लगे हैं, हालांकि आसमान में छाए बादलों के कारण कभी–कभी बाधा पहुंच रही है। तराई में गर्मी अधिक पड़ने लगी है। अप्रैल से लेकर जून तक पर्यटन सीजन रहता है। बारिश होने के बाद जिले का मौसम सुहावना हो गया है। जंगलों की आग बुझ गई है। वातावरण में फैला धुंआ भी छट गया है। पर्यटक प्रकृति का आनंद उठाने के लिए पहाड़ों का रुख करने लगे हैं। वह बैजनाथ धाम के दर्शन के बाद बागनाथ मंदिर भी पहुंच रहे हैं। यहां से चौकोड़ी, मुनस्यारी का रुख कर रहे हैं।

मोरी के बड़ासु पट्टी में अज्ञात बीमारी की चपेट में सैकड़ों भेड़–बकरियां

भेड़–बकरी पालक सकते में, मेडिकल कैम्प लगाने की मांग

संवाददाता संवाददाता। मोरी विकासखण्ड के सुदूरवर्ती बड़ासु पट्टी के गांवों में अज्ञात बीमारी से अचानक मर रही भेड़–बकरियों के कारण भेड़ पालक चिंता में हैं व कैम्प लगाने की मांग कर रहे हैं। बताते चलें कि मोरी प्रखंड के नानाई, बड़ासु,अडोर व पँचगाईं सहित अधिकांश गांव में भेड़–बकरी पालन का पारम्परिक व्यवसाय प्राथमिकता से किया जाता है भेड़–बकरी पालन यंहा के लोगों का मुख्य आजीविका का साधन व पारम्परिक व्यवसाय भी है।

गर्मियों के दिनों लगभग मार्च से सिंतबर तक इनकी मवेशी केदारकांठा,हरकीदून आदि उच्च बुग्यालों में रहती हैं जबकि शर्दियों में मसूरी आदि तलहटी में चरान–चूँगान को चली जाती हैं। बीते कुछ दिनों से भेड़–बकरी एक अज्ञात बीमारी की चपेट हैं जिसके कारण बड़ासु पट्टी के ढाटमीर निवासी खजान सिंह, जबरा,जयवीर सिंह व ओसला निवासी श्यालिक राम,मिमरू व बहत्तर सिंह आदि की दो दर्जन से अधिक भेड़–बकरी बीमारी की चपेट में आने से मृत होने की सूचना है।जानकारी देते हुए ढाटमीर के प्रहलाद सिंह व पाँव के बलवीर सिंह ने बताया कि पूरे बड़ासु पट्टी में लगभग 10 हजार भेड़–बकरी का व्यवसाय ग्रामीण कर रहे हैं जो कि ग्रामीणों का आजीविका का मुख्य संसाधन भी है।उन्होंने कहा कि पिछले 4–5 दिनों से भेड़–बकरियां अज्ञात बीमारी की चपेट में हैं नाक से गाड़ा स्लेस जैसे कुछ निकल रहा है और देखते ही देखते मर रही है अभी तक खाजान सिंह,मिमरू,जयबीर सिंह आदि की लगभग 20 से 25 भेड़–बकरी मर चुकी है। अगर जल्दी इसके रोकथाम का उपाय नही हुवा तो अन्य क्षेत्र के मवेशियों पर भी खतरा मंडरा सकता है उन्होंने भेड़–बकरी को स्वस्थ रखने के लिए सम्बंधित विभाग से कैम्प लगाने की मांग की।

डीआईटी के छात्र विभोर को एआईयू कराटे चैंपियनशिप में मिला स्वर्ण

संवाददाता देहरादून। डीआईटी विश्वविद्यालय के लिए यह गर्व की बात है कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में आयोजित एआईयू कराटे चौंपियनशिप में सीएसई–प्रथम वर्ष के छात्र विभोर तलवार ने स्वर्ण पदक जीता। जानकारी देते हुए लेफ्टिनेंट (डॉ) जबरिंदर सिंह, प्रेसिडेंट स्पोर्ट्स कॉउन्सिल डीआईटी यूनिवर्सिटी ने बताया कि विभोर ने शीर्ष स्थान तक पहुंचने के लिए कई राउंड लड़े। बेंगलुरु में आयोजित प्रतिष्ठित खेलो इंडिया गेम्स में, उन्होंने दो फाइट जीतकर कांस्य पदक अर्जित किया। उन्हें अगले महीने पुणे में होने वाले कराटे राष्ट्रीय खेलों के लिए भी चुना गया है। इन बड़ी उपलब्धियों पर विश्वविद्यालय प्रबंधन और प्रशासन उन्हें बधाई देता है। विभोर ने अपने सर्वांगीण विकास के लिए सुविधाएं प्रदान करने के लिए डीआईटी विश्वविद्यालय को धन्यवाद दिया। मुख्य विशेषताओं में विभोर तलवार बी.टेक। सीएसई–प्रथम वर्ष के छात्र है।